चमकता आईना

July 13, 2016

जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेव्यरल साइंसेज ने की बैठक

जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों के 80 भागीदारों ने हिस्सा लिया

जमशेदपुर : एनसीआर स्थित ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) की शोध संस्था जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेव्यरल साइंसेज (जेआईबीएस) ने शिक्षकों को प्रभावी और अभिनव शिक्षण पद्धतियों से लैस करने और उन्हें तकनीकों तथा साधनों में सक्षम करने के लिए आज प्रिंसिपल की बैठक और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ताकि शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षकों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जा सके एवं उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके।

'स्कूली शिक्षा में स्कूल प्रमुखों के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षण कार्यों की पहचान' पर आयोजित चार घंटे का यह दक्षता विकास कार्यक्रम बेल्डिह क्लब में हुई जिसमें जमशेदपुर तथा आसपास के क्षेत्रों के स्कूलों के शिक्षकों और प्रिंसिपल्स सहित ८० से अधिक

भागीदारों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. संजीव पी. साहनी ने किया जो जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू), सोनीपत में जेआईबीएस के प्रमुख निदेशक, 'सेंटर फॉर इनोवेटिव लीडरशिप एंड चेंज' के निदेशक तथा जेजीयू में वाइस चांसलर के सलाहकार हैं। जेआईबीएस की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सुश्री पायल खेकर भी कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता थी।

देश की स्कूली शिक्षा प्रणाली का मूल्यवर्धन के मकसद से जेआईबीएस देशभर के शिक्षकों के साथ मिलकर सक्रियता से काम कर रही है और विभिन्न बच्चों की जरूरतें पूरी करने के ख्याल से उनकी शिक्षण पद्धतियों को मुकम्मल बनाने में मदद के लिए उन्हें अल्पकालीन कोर्सेज मुहैया करा रही है।

डॉ. संजीव पी. साहनी ने कहा कि, "स्कूली शिक्षा से बच्चों में शिक्षा की बुनियाद खड़ी होती है। यदि इसे उचित शिक्षण पद्धतियों से

मजबूत किया जाए तो बच्चों में यह जिज्ञासु भावना भरने तथा ज्ञान की ललक बढ़ाने में कारगर हो सकती है। लिहाजा स्कूलों में ऐसी शिक्षा पद्धतियों और विकास कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देना जरूरी हो गया है जो बच्चों में ज्ञानअर्जन की ललक पैदा कर सके और उन्हें निष्क्रिय श्रोता बनाने के बजाय उनके दिमाग को सवाल पूछने के लिए प्रेरित कर सके।

प्रोफेसर साहनी ने एजुकेशनल साइकोलॉजी में पीएचडी की है और वह काउंसिलिंग साइकोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएट है तथा इस क्षेत्र (शिक्षा एवं प्रशासन) के अपने व्यापक एवं गहरे अनुभव को उन्होंने मौजूदा शिक्षा नीतियों, हमारी शिक्षा पद्धति में मानक बदलाव तथा विश्व की सर्वश्रेष्ठ शिक्षण प्रक्रियाओं में इस्तेमाल किया है। उन्होंने इन समस्याओं और मसलों से निपटने के लिए संभावित समाधानों एवं उपायों पर भी चर्चा की।

, इस मौके पर मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों में ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के मानव संसाधन निदेशक जीतू मिश्रा, ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में मानव संसाधन के सहायक निदेशक सुश्री दीपमाला चौधरी तथा ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में एडमिशन एवं आउटरीच के डिप्टी मैनेजर पवन सिंह शामिल थे।

जेआईबीएस की ओर से स्कूली शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्ट्रेस मैनेजमेंट, परफॉर्मेंस विकास, निश्चयात्मक शिक्षण, सकारात्मक मनोविज्ञान, शिक्षण अक्षमताएं, अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी), एंगर मैनेजमेंट प्रोग्राम, शरारती बच्चों/किशोरों से निपटना और बच्चों की विकासात्मक जरूरतें: प्रीस्कूल से उच्च शिक्षा तक के लिए।